शुक्रवार
08 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 3

सर्दियों के मौसम में रखें जोड़ों का खास ख्याल

पृष्ठ 6

समाप्त होगा यूक्रेन युद्ध ?

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 295
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जब तक भारत का राजकाज अपनी भाषा में नहीं चलेगा तब तक हम यह नहीं कह सकते कि देश में स्वराज है।

– मोरारजी देसाई

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

विकसित भारत सभी की जिम्मेवारीः मोदी

●मेरा संकल्पः पहाड़ की जवानी और पानी दोनों काम आयेगें

विशेष संवाददाता

देहरादून। प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दून में आयोजित होने वाली इन्वेर्स्टस समिट का उदघाटन करते हुए अपने सम्बोधन में न सिर्फ अपनी सरकार के विजन को रखा अपितु उद्यमियों को

❑लोकल फॉर वोकल में महिला समूहों को भागीदार बनाये
❑उद्यमियों से बोले, आयात घटाएं, निर्यात बढ़ाये
❑देवभूमि आपसे कु छ नहीं लेगी आपको देगी ही

प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कुछ करने का यही समय है, सही समय है जब आप देश और समाज के विकास में सहभागी बनकर देश को विकसित बनाने के लिए कुछ कर सकते है। साथ ही उन्होने कहा कि उत्तराखण्ड में निवेश करना उनके लिए सदैव हितकारी सिद्ध होगा क्योंकि यह देवभूमि किसी से कुछ लेती नहीं है बस देती ही देती है।

दावाः मेरे तीसरे टर्म में देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज अपने देहरादून दौरे के दौरान आत्मविश्वास से इतने लबरेज दिखे कि उन्होने 2024 में अपनी जीत को ही सुनिश्चित नहीं बताया बल्कि अपने तीसरे टर्म में भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की गांरटी भी दे डाली। प्रधानमंत्री का कहना था कि उन्होने अपने नौ साल के शासन में 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर आने का दावा करते हुए कहा कि अब अब इन न्यू मिडिल क्लास लोगों की ताकत देश के विकास में अहम भूमिका निभायेगी। अभी हम विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाये है लेकिन मेरे तीसरे टर्म में भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बन जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह जब ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उदघाटन करने के लिए यहां पहुंचे थे तो उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होने यहां एक्न्यूव्यूशन हाल में पहले प्रदर्शनी का अवलोकन किया और हाउस आफ हिमालय बुक का विमोचन भी किया। इसके बाद उन्होने ग्लोबल समिट का उदघाटन किया। अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोरोना काल से देशवासियों का आत्मविश्वास और अधिक बढ़ा है। उन्होने कहा कि विकसित भारत हर देशवासी की जिम्मेदारी है। उन्होने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। न्यू मिडिल क्लास के लोगों की क्रयशक्ति और पुराने मिडिल क्लास के लोगों की अधिक खर्च करने की सामर्थ्य से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

उन्होने कहा कि उत्तराखण्ड ने डबल इंजन सरकार के जरिए तेजी से विकास की ओर कदम बढ़ाये है। उन्होने कहा कि मैने पहले ही कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड के विकास का दशक होगा। राज्य में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। बात चाहे सड़क, रेल और हवाई क्नेक्टिविटी की

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

उत्तराखण्ड को मैरिज डेस्टीनेशन बनाने का दिया सुझाव

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज जब ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को सम्बोधित कर रहे थे तो एक समय उनकी बात सुनकर सभी उद्यमी और नेता सन्न रह गये। जब वह बोले हो सकता है कि मेरी बात कुछ धन्ना सेठों को अच्छी न लगे। आपको उत्तराखण्ड में निवेश नहीं करना है तो न करे। लेकिन दूसरे देशों में जाकर शादियां करने की बजाय वह एक साल में एक शादी उत्तराखण्ड डेस्टीनेशन में आकर ही कर लें। उन्होने कहा कि साल में अगर पांच सौं ऐसी शादियां जो आप बाहर जाकर करते है उत्तराखण्ड में करेंगे तो उत्तराखण्ड एक साल में ही मैरिज डेस्टीनेशन जरूर बन जायेगा। जो उत्तराखण्ड के विकास के लिए काफी होगा। पीएम का यह अनौपचारिक सुझाव सुनकर लोग भी मुस्काने पर विवश हो गये।

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर जूनियर महमूद का निधन

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर जूनियर महमूद का निधन हो गया है। जूनियर महमूद स्टेज 4 लिवर और फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित थे, और उनकी हालत काफी गंभीर थी। ऐसे में अब एक्टर जिंदगी से जंग हार उन्होंने 67 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। बीते दिन जितेंद्र और जॉनी लीवर साथ में एक्टर से मिलने

भी पहुंचे थे, जिसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई थी। ऐसे में जूनियर महमूद के यूं अचानक दुनिया से चले जाने से पूरी फिल्म इंडस्ट्री सदमे में है। बता दें कि जूनियर महमूद अपने जमाने के मशहूर अभिनेता थे, जिन्हें किंग ऑफ कॉमेडी का खिताब मिला था। वो अपने समय के एक लोकप्रिय बाल कलाकार थे, जिन्होंने 7 अलग-अलग भाषाओं की 265 फिल्मों में काम किया है और अपने अनोखे अंदाज से लोगों के बीच एक अलग पहचान बनाई। उनके अंतिम दर्शन कई बॉलीवुड सेलेब्स उनके घर पहुंचे। जॉनी लीवर फैमिली के साथ तो रजा मुराद, राकेश बेदी, मास्टर राजू, अवतार गिल, आदित्य पंचोली , सिंगर सुदेश भोसले, मास्टर राजू, सहित कई सेलेब्स इस मौके पर नजर आए। जॉनी का पूरा परिवार काफी उदास दिखा। जूनियर महमूद के निधन पर उनके दोस्त और परिवार वाले हाथ में उनकी तस्वीर लिए उदास नजर आए।

पिकअप वाहन खाई में गिरा दो की मौत

संवाददाता

देहरादून। पिकअप वाहन खाई में गिरा दो लोगों की मौत हो गयी जबकि एक गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रातः समय करीब साढे पांच-छह बजे के बीच कालसी से रोहडू जाने वाले मार्ग पर करीब 35-40 किलोमीटर दूर तिमरा (राजस्व क्षेत्र) नामक स्थान पर एक पिकअप लोडर वाहन सड़क से लगभग 600- 700 मीटर नीचे खाई में गिर गया, जिसमें 03 लोग सवार थे। घटना की सूचना पर कालसी पुलिस, एसडीआरएफ तथा राजस्व पुलिस द्वारा मौके पर पहुँचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया।

दुर्घटना में वाहन सवार 02 व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि एक घायल व्यक्ति को पुलिस द्वारा रेस्क्यू कर बाहर निकाल कर 108 एम्बुलेंस के माध्यम उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया। वाहन के संबंध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त वाहन वह विकासनगर से चूना लेकर हिमाचल जा रहा था। मुतकों की पहचान रोहित पुत्र दिलबहादुर थापा निवासी चौपाल शिमला हिमाचल प्रदेश, मोहनलाल पुत्र रती राम निवासी चौपाल शिमला हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई जबकि घायल का नाम विख्यात पुत्र जोगेन्द्र सिंह निवासी चौपाल, शिमला हिमाचल प्रदेश बताया गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

कांग्रेस का उल्टा चश्मा

देश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस बीते एक दशक से केन्द्रीय सत्ता से बाहर है। देश की सत्ता पर आधी सदी तक कांग्रेस ने निष्कंटक रूप से राज किया है। सत्ता मद की वह पराकाष्ठा देश के लोगों ने देखी है जब कांग्रेसी नेता इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा जैसे नारे लगाया करते थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद देश की राजनीति में आये बदलाव ने सब कुछ बदल कर रख दिया है। केन्द्रीय सत्ता से बाहर होने के बाद तमाम राज्यों की सत्ता से भी वह बेदखल होती जा रही है। कांग्रेस के नेता जो सत्ता भोग के आदी हो चुके थे उन्हे यह बदलाव कतई भी पच नहीं पा रहा है। मुसीबत यह है कि उनका कोई प्रयास सफल होता नहीं दिख रहा है। जिसने इन नेताओं की सोच और समझ को भी उल्टा कर दिया है। यह ठीक है कि विपक्ष का काम विरोध करना है लेकिन हर काम का विरोध नहीं किया जाना चाहिए। भाजपा सरकार या उसके नेताओं द्वारा अगर कोई जन विरोधी या राष्ट्र विरोधी काम किया जाता है तो विपक्ष को उसका उग्र विरोध करना ही चाहिए। लेकिन अच्छे काम व फैसलों की विपक्ष सराहना भले ही न करे लेकिन उनका विरोध भी नहीं किया जाना चाहिए। मगर कांग्रेस नेताओं ने विपक्ष की सकारात्मक राजनीति करने के विवेक को खो दिया है। या यूं कहे कि भाजपा की नई तरह की राजनीति ने कांग्रेसियों के चश्मे को उल्टा कर दिया है कि उनका नजरिया हर एक काम को उल्टा ही देख या समझने लगा हैं। अभी बीते दिनों सिलक्यारा सुरंग हादसे के वक्त भी सूबे के कांग्रेसी नेता सुरंग में फंसे लोगों की जान की परवाह करने से ज्यादा सरकार की घेराबंदी करते नजर आये थे और जब श्रमिक सुरक्षित बाहर निकाल लिये गये तो उन्हे अपनी गलती का अहसास होने पर रेस्क्यू टीमों को पुरस्कृत करते देखा गया। राज्य सरकार द्वारा इन दिनों ग्लोबल इंन्वेस्टर्स समिट का जो आयोजन किया जा रहा है उसे लेकर भी सूबे के तमाम कांग्रेसी नेता सवाल खड़े कर रहे है। त्रिवेन्द्र सिंह रावत के कार्यकाल में होने वाली गलतियों को लेकर सरकार की घेराबंदी कर रहे है। अगर उस प्रयास में कुछ गलतियां हुई या वह प्रयास असफल रहा तो इसका मतलब यह तो नहीं होता कि अब जो प्रयास किया जा रहा है वह भी असफल ही रहेगा। अगर धामी सरकार का यह प्रयास सफल रहता है तो इसमें कोई संदेह नही है कि है कि यह राज्य की आर्थिकी और समाज की दिशा दशा बदलने वाला एक मील का पत्थर भी साबित हो सकता है। कांग्रेस इसे लेकर तमाम तरह के सवाल उठाये जा रही है कि यह एक चुनावी कार्यक्रम है तथा इसमें भीड़ जुटाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बुलाया जा रहा है। जिस कार्यक्रम में बिना पास किसी की भी इंट्री संभव नहीं है वहां कैसे भीड़ जुटाई जा सकती है यह कोई चुनावी रैली या जनसभा नहीं है तमाम वीवीआईपी और देश दुनिया के बड़े-बड़े उद्यमियों के इस कार्यक्रम में आम लोगों या भीड़ का कोई कोई काम ही नहीं है तो विपक्ष का यह बेतुका विरोध नहीं तो और क्या है? सच यह है कि कांग्रेस को अपनी इस सोच के चश्में को सीधा करना ही पड़ेगा। उसके नीति नियंताओं को यह तय करना चाहिए कि उन्हे किस बात का विरोध करना है और किस मुद्दे पर चुप रहना है। इन दिनो राज्य की कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा है। अमृता हत्याकांड से लेकर अंकिता हत्याकांड तक महिलाओ की सुरक्षा का सवाल बड़ा सवाल है। राज्य में हत्याओं से लेकर डकैतियों से लेकर तमाम बड़ी बड़ी आपराधिक घटनांए घट रही है जिन्हे लेकर कांग्रेसियों को सड़कों पर उतरना चाहिए। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन को लेकर आंदोलन खड़ा करे लेकिन वैसा कुछ कांग्रेसी करते नजर नहीं आ रहे है। उन मुद्दो को लेकर वह पत्रकार वार्ताएं कर रहे है और धरने दे रहे है जो मुद्दे मुद्दे ही नहीं है। इस तरह के विरोध से विपक्ष का कुछ भला होने वाला नहीं है।

एक किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने एक किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने एकता विहार मार्ग काले की ढाल के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने उसका पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम जॉन पुत्र फूल सिंह निवासी सपेरा बस्ती ओल्ड राजपुर रोड बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

इन्दो यथा तव स्तवो यथा ते जातमन्धसः।
नि बर्हिषि प्रिये सदः।।

(ऋग्वेद ९-५५-२)

हे परमेश्वर ! आप समस्त ब्रह्मांड में व्याप्त हैं। आप आनंदरस और सभी प्रकार के खाद्यान्न के प्रदाता हैं। आपकी महिमा और शक्ति हर स्थान पर विद्यमान है। आप हमारे यज्ञस्थल पर विराजमान रहें।

आजादी के योद्धाओं से देशप्रेम की प्रेरण लेना हमारा सौभाग्यः त्यागी

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि आजादी के योद्धाओं को जीवंत देखना और इनसे देशप्रेम की प्रेरणा लेना हमारा सौभाग्य है।

आज यहां स्वतंत्रता सेनानी चंद्रिका लाल से दून चिकित्सायल में मिलने के दौरान संयुक्त नागरिक संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि आजादी के योद्धाओं को जीवंत देखना और इनसे देशप्रेम की प्रेरणा लेना हमारा सौभाग्य है। देश के लिए किए गए इनके बलिदानों की प्रतिपूर्ति हम कभी भी नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी के अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर 100 वर्षीय उत्तरकाशी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चन्द्रिकालाल जिन्हे राजकीय दून अस्पताल के यूरोलोजी विभाग मे गहन

चिकित्सा हेतु भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत माता की जय,वन्दे मातरम के शब्दो ने इस सेनानी के जीवंत संघर्ष को सबके सामने अभिव्यक्त किया। सेनानी परिजनो ने कहा राज्य सरकार के किसी भी प्रतिनिधि का यहां न आकर इनकी कुशलछेम ना लेना ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की भेंट चढ़ गया,जो दुखद है। मिलने वालों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों के शक्ति प्रसाद डिमरी, मुकेशनारायण शर्मा, महिपाल सिंह रावत,शंशाक गुप्ता, अवधेशपंत, दिनेश भंडारी, राजकुमार अग्रवाल, चिरंजीव राही, हरिमोहन जुआठा, उषा जुवाठा, विजयपाल तगानी, अंकित बठवाल, सुशील त्यागी, प्रदीप कुकरेती आदि थे।

भारी मात्रा में स्मैक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने 35 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो पूर्व में भी नशा तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली जसपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को नहर वाली सड़क नई बस्ती जसपुर में एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोक कर तलाशी ली तो उसके पास से 35 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार हुआ आरोपी मोहसिन पूर्व में भी नशा तस्करी में जेल जा चुका है तथा वह अभ्यस्त अपराधी है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

लैपटॉप व फोन चोरी होने पर ड्राईवर व उसके दोस्त के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। आफिस से दो लैपटॉप व एक फोन चोरी होने के मामले में पुलिस ने ड्राईवर व उसके दोस्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईसी रोड निवासी जयंत कुमार सहगल ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज से हपता पहले उसके पास ड्राईवर के पद पर काम करने हेतु बिहारीगढ से रोहन काम्बोज आया था वह उसके पास काम कर रहा था, फिर चार पाँच दिन के लिये छुटटी पर चला गया। कल फिर रोहन काम्बोज उसके पास अपने मित्र नवीन काम्बोज को ले कर उसके पास आया व उसके आफिस मे बैठा और नवीन को उसके यहां बतौर ड्राईवर जॉब पर रखने की बात करी। उसने मना करा। फिर रोहन और नवीन रात उसके पास पैसे मांगने आये इस दौरान आफीस पर रखे दो लेपटाप और फोन देखे। फिर वह भी अपना आफीस लॉक कर के घर चला गया। और वह दोनो भी अपने होटल के रूम में चले गये। 7 दिसम्बर 2023 सुबह 7.36 पर नवीन काम्बोज का उसके पास फोन आया फिर उससे सीसीटीवी के विषय में जानकारी प्राप्त करी। सुबह 8.30 बजे के आस पास जब वह आफिस गया तो ताला टुटा हुआ था। आफिस मे उसका सामान उथल पुथल था और दो लेपटाप और एक फोन गायब था। उसको इस चोरी का शक नवीन व रोहन दोनो पर है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

धर्मशाला से दो फोन चोरी

संवाददाता

देहरादून। धर्मशाला में विवाह समारोह में भाग लेने आये व्यक्ति के दो मोबाइल फोन चोरी हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय पार्क निवासी मुकेश कुमार गोयल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह विवाह समारोह के प्रोग्राम के लिए अग्रवाल धर्मशाला में गया था। जहां पर किसी ने उसके दो मोबाइल फोन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

75 हजार रुपये चोरी कर मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। लॉकर से 75 हजार रूपये चोरी कर मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरआईएमसी गेट जिम चलाने वाले राजीव बालिया ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह जिम का व्यावसाय करता है। उसके जिम में कृष्णा नाम का लडका वर्कआउट करने आता है , जिसके साथ उसके अच्छे सम्बन्ध है। उक्त व्यक्ति उससे कभी कभार पैसे ले लिया करता था। 29 नवम्बर को भी कृष्णा द्वारा उससे 20 हजार रूपये लिये थे। कृष्णा ने 6 दिन बाद उसके जिम वाले लॉकर से 75000(जो कि जिम के किराये हेतु रखे थे) 05 दिसम्बर 2023 को निकाल लिये, उसी समय उक्त कृष्णा को जिम में आने वाले अन्य बच्चे अनिकेत एंव सुशांत ने देख लिया के कृष्णा उसके लाकर में कुछ कर रहा है, जैसा की वह एंव कृष्णा अच्छे दोस्त है तो दोनो बच्चो ने ज्यादा घ्यान नही दिया। उसको पता चलने पर कि लाकर से किराये के पैसे चोरी हो गये है तो उसने साथ वालो से पूछने पर पता चला कि कृष्णा उसके लाकर से कुछ ले रहा था। उसके द्वारा जब कृष्णा से पूछा कि वह लाकर में क्या कर रहा था तो कृष्णा ने कबूल किया कि उसने लॉकर में रखे रूपये 75000 निकाले थे निकालने का कारण पूछने पर बताया कि वह नशे का आदि है पार्टी करने के लिए पैसे की जरूरत थी। उसको कृष्णा द्वारा वादा किया गया कि वह 06 दिसम्बर 2023 की शाम तक पैसे वापस कर देगा। कृष्णा सुबह 06 दिसम्बर उसके जिम पर आया और उसको व उसके पार्टनर को कुछ बात करने के लिए बाहर जाने को बोला, जिस पर भरोसा करते हुए वह एंव उसका मित्र कृष्णा के साथ अपनी कार में चले कुछ दूर जाने पर कृष्णा ने उसके पार्टनर पर लोहे के पंच से वार कर दिये जिससे उसके पार्टनर के गर्दन, सिर एंव कमर पर चोटे आई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सिर्फ ताली बजाने से ठीक हो जाती है 5 बीमारियां

हिंदू धर्म में भजन या आरती के समय ताली बजाने का प्रचलन है। इस परंपरा के पीछे न सिर्फ धार्मिक बल्कि वैज्ञानिक कारण भी छिपा है। विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर के 29 एक्यूप्रेशर पॉइंटस हमारे हाथों में होते है। प्रेशर पॉइंट को दबाने से

संबंधित अंग तक रक्त और ऑक्सीजन का संचार अच्छे से होने लगता है। एक्यूप्रेशर के अनुसार इन सभी दबाव बिंदु को सही तरीके से दबाने का सबसे सहज तरीका है ताली। ताली बजाने से ये होते हैं फायदे....

1. ताली बजाने से खून में बुरे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे हार्ट अटैक जैसी समस्या की आशंका कम हो जाती है।

2. ताली बजाने से शरीर में रक्त का संचार अच्छे से होता है जिससे फेफड़ों में अस्थमा संबंधित रोग का खतरा भी टलता है।

3. तेज ताली बजाने से आंख, कान, दिमाग, रीढ़ की हड्डी, कंधे आदि सभी बिंदुओं पर प्रभाव पड़ता है जिससे तनाव, अनिद्रा, आंखों की कमजोरी, पुराना सिर दर्द, जुकाम, बालों का झड़ना जैसी समस्या से राहत मिलती है।

4. ताली से मांसपेशियां प्रभावित होती हैं, जिससे पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार अच्छे से होता है।

5. इतना ही नहीं नियमित ताली की आदत से खून में सफेद कणों को ताकत मिलती है, जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।(आरएनएस)

केला खाने के लाभ

केला- पूजा-पाठ से लेकर ब्यूटी प्रॉडक्टस तक में केले का इस्तेमाल किया जाता है। इसके भी एक नहीं, अनेक फायदे हैं। खाना खाने के बाद केला खाने से भोजन आसानी से पच जाता है। कॉन्स्टिपेशन के मरीजों के लिए भी यह अच्छा रहता है। रोज सुबह एक केला और एक गिलास दूध पीने से वजन कंट्रोल में रहता है और बार-बार भूख भी नहीं लगती।

केला खाने से हाई ब्लड प्रेशर और यूरिन की समस्या को दूर करने में मदद मिलती है कच्चे केले को दूध में मिलाकर लगाने से त्वचा निखर जाती है और चेहरे पर भी चमक आ जाती है। गर्भावस्था में महिलाओं के लिए केला बहुत अच्छा होता है क्योंकि यह विटामिन से भरपूर होता है। केले को मैश करके बालों में लगाने से बाल नर्म, मुलायम और चमकदार हो जाते हैं।

केला बच्चों के लिए बहुत अच्छा होता है क्योंकि यह अपने आप में ही पूर्ण आहार होता है। केला में पोटैशियम भरपूर पाया जाता है जोकि रक्त-संचार ठीक रखता है जिससे ब्लडे-प्रेशर ठीक रहता है। वजन बढाने के लिए केला खास असरकारक होता है इसलिए केला, शहद और चुटकीभर इलायची पाउडर मिलाकर प्रतिदिन सुबह केला-शेक पियें या केला खाकर दूध पियें।

इस प्रकार मेंहदी लगेगी खूबसूरत

हमारे देश में मेंहदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्कघि् इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। भारत में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेंहदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेंहदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेंहदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी

मेंहदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेंहदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेंहदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है।

मेंहदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 1० से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेंहदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

सर्दियों के मौसम में रखें जोड़ों का खास ख्याल

शरीर के मजबूत जोड़ हमें सक्रिय रखते हैं और चलने-फिरने में मदद करते हैं। जोड़ों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए क्या जरूरी है इस बारे में सटीक जानकारी जरूरी है। जोड़ों की देखभाल और मांसपेशियों तथा हड्डियों को मजबूत रखने के लिए सबसे अच्छा तरीका है, स्थिर रहें।

जोड़ों को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है शरीर के वजन को नियंत्रण में रखना। शरीर का अतिरिक्त वजन हमारे जोड़ों, विशेषकर घुटने के जोड़ों पर दबाव बनाता है। व्यायाम से अतिरिक्त वजन को कम करने और वजन को सामान्य बनाए रखने में मदद मिल सकती है। कम प्रभाव वाले व्यायाम जैसे तैराकी या साइकिल चलाने का अभ्यास करें।

वैसे लोग जो अधिक समय तक कंप्यूटर पर बैठे रहते हैं, उनके जोड़ों में दर्द होने की संभावना अधिक रहती है। जोड़ों को मजबूत बनाने के लिए अपनी स्थिति को लगातार बदलते रहिए। यदि व्यायाम को खुशी के साथ किया जाए तो एंडॉर्फिन नामक हॉर्मोन निकलता है, जो आपको स्वस्थ होने का अनुभव देता है। एक दिन में कम से कम 2०-4० मिनट तक जरूर टहलें। मजबूत मांसपेशियां जोड़ों का समर्थन करती हैं। यदि आपकी मांसपेशियां कमजोर हैं, तो इससे आपके जोड़ों में विशेष रूप से रीढ़ की हड्डी, कूल्हों और घुटनों में दर्द होगा।

बैठने का सही तरीका भी आपके कूल्हे और पीठ की मांसपेशियों की रक्षा करने में मदद करता है। कंधों को झुकाकर न खड़े हों। सीढ़ी चढ़ना दिल के लिए अच्छा है, लेकिन अगर सीढ़ी अप्राकृतिक है, तो यह आपके घुटनों को नुकसान पहुंचा सकती है। स्वस्थ आहार खाना आपके जोड़ों के लिए अच्छा है। यह मजबूत हड्डियों और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है। हमें हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है। अगर आपको नियमित भोजन से जरूरी मिनरल लेने में समस्या हो रही है, तो सप्लिमेंट ले सकते हैं। वर्तमान में, निर्धारित जरूरत के अनुसार 5० साल की उम्र तक के वयस्क पुरुषों और महिलाओं को नियमित रूप से 1,००० मिलीग्राम कैल्शियम और 5० के बाद नियमित रूप से 1,2०० मिलीग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है।

71 साल की आयु के बाद 1,2०० मिलीग्राम कैल्शियम पुरुष और महिला दोनों ले सकते हैं। इसे आप दूध, दही, ब्रोकली, हरी पत्तेदार सब्जी, कमल स्टेम, तिल के बीज, अंजीर और सोया या बादाम दूध जैसे पौष्टिक आहार को खाद्य पदार्थ के रूप में शामिल कर कैल्शियम की जरूरत पूरी कर सकते हैं। हड्डियों और जोड़ों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। आप जो आहार खाते हैं, उसमें विटामिन डी शरीर में कैल्शियम का अवशोषण में मदद करता है। यह हड्डियों के विकास और हड्डी के ढांचे को सक्षम बनाता है।

विटामिन डी की कमी मांसपेशियों की कमजोरी का कारण बनता है, जो उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों के क्षतिग्रस्त होने के लिए जिम्मेदार होता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूरज की रोशनी है। डेयरी उत्पाद और कई अनाज, सोया दूध और बादाम के दूध में विटामिन डी प्रचुर मात्रा में होता है।

जो लोग धूम्रपान करते हैं, उनमें हड्डियों का घनत्व कम होता है और उनके फ्रैक्चर होने की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। यह संभवतः कैल्शियम के अवशोषण और हड्डियों के विकास और शक्ति को प्रभावित करने वाले एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन के उत्पादन को कम करने से संबंधित है, जो हड्डियों के विकास और मजबूती के लिए जिम्मेदार होते हैं। समय-समय पर अपने चिकित्सक से मिलते रहें। रक्त में यूरिक एसिड के स्तर की जांच नियमित रूप से कराते रहें।

टीवी इंडस्ट्री 9० के दशक की तुलना में अधिक पिछड़ गई है: अनुपमा सोलंकी

नाथ-कृष्ण और गौरी की कहानी फेम अभिनेत्री अनुपमा सोलंकी ने साझा किया कि टीवी उद्योग 9० के दशक की तुलना में अधिक पिछड़ा हुआ है, उन्होंने कहा कि 1०० से अधिक धारावाहिक हैं, जो उद्योग को आपदा बना रहे हैं।

अनुपमा ने कहा, एक टीवी कलाकार होना मेरे लिए सम्मान की बात है क्योंकि लोग इस माध्यम से प्रभावित होते हैं और कभी-कभी लोग हमसे प्यार करते हैं और कभी-कभी वे हमारे द्वारा निभाए गए किरदारों के कारण हमसे नफरत भी करते हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि हम दुनिया को प्रभावित करते हैं। और यह हमारे समाज का मार्गदर्शन करने का एक बड़ा अवसर और जिम्मेदारी है।

मुझे बचपन से ही टीवी नाटकों की लत रही है इसलिए मैंने टीवी उद्योग और टीवी धारावाहिकों को बहुत करीब से देखा है, लेकिन ईमानदारी से मुझे लगता है कि टीवी उद्योग 9० के दशक की तुलना में अधिक पिछड़ा हुआ है। इन दिनों हम एक टीवी श्रृंखला में दिखा रहे हैं जिसे हम स्कूटर पर चांद पर जा रहे हैं। मैं वह दृश्य देखकर हैरान रह गई, उन्होंने साझा किया।

अनुपमा ने कहा, मैं नाम नहीं लेना चाहती, लेकिन ऐसे 1०० धारावाहिक हैं

जो टीवी इंडस्ट्री को तबाह कर रहे हैं। मैं 9० के दशक के टीवी शो से जुड़ी नहीं हूं, लेकिन बाद में मैंने कई टीवी शो देखे जो उत्कृष्ट हैं। नुक्कड़ नाटक, चंद्रकांता, रामायण, महाभारत, देख भाई देख, ब्योमकेश बख्शी, हिट शो की एक बड़ी सूची है लेकिन इन दिनों केवल कुछ शो ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जैसे मेरा शो नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी के साथ अनुपमा और कुंडली भाग्य।

उन्होंने कहा, मैं अपनी टीवी इंडस्ट्री से खुश नहीं हूं लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं है इसलिए जो कुछ भी है मैंने उसे स्वीकार कर लिया है।

नाथ-कृष्ण और गौरी की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित होता है।

उत्तराखण्ड शासन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आगे बढ़ता उत्तराखण्ड
सुरक्षा, समृद्धि और सुअवसरों की भूमि

DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
Peace To Prosperity
8th - 9th December | Dehradun

उत्तराखण्ड
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023

का

शुभारंभ

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

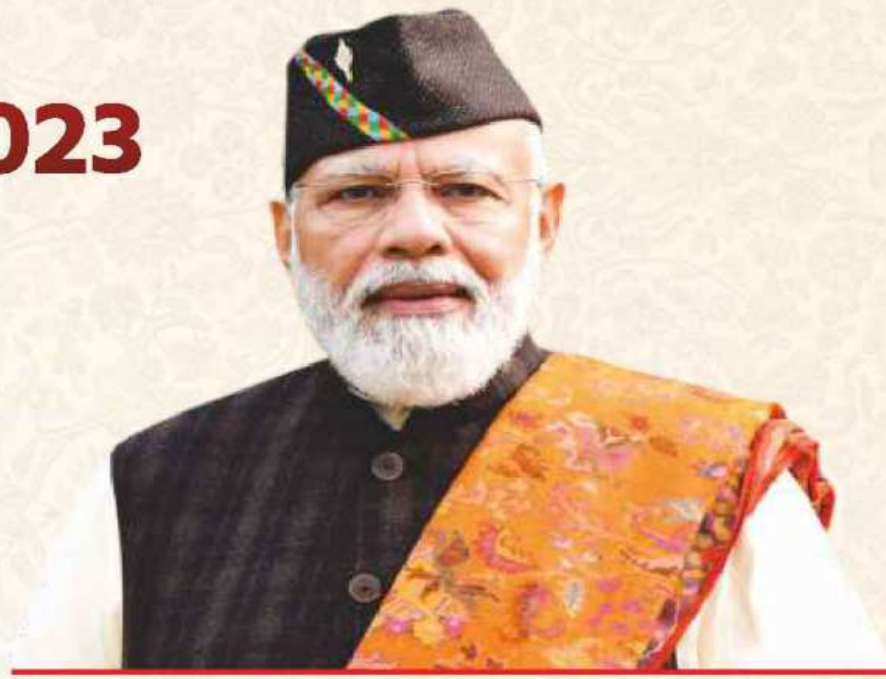

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

के कर-कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

दिनांक: 8 दिसम्बर, 2023

समय: प्रातः 9 बजे | स्थान: FRI, देहरादून

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अंतर्गत ₹3 लाख करोड़ से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित।

5,000 से अधिक व्यवसाय प्रतिनिधि एवं विभिन्न देशों के राजदूत करेंगे प्रतिभाग।

₹44,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह।

प्रदेश के सभी क्षेत्रों में 27 से अधिक निवेशक-अनुकूल नीतियां लागू। प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन, सब्सिडी और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण के जरिए राज्य के निवेश में बढ़ावा।

पंजीकरण करने के लिए यूआरएल पर जाएं www.destinationuttarakhand.co.in/investorsummit/visitors/visitor-register

या क्यूआर कोड स्कैन करें

/ukgis2023

टोल फ्री नं॰ 1800-309-7225

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण DD News पर देखें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

दून वैली मेल देहरादून, 08 दिसम्बर 2023 www.dunvalleymail.com

2014 से उत्तर भारत में हर हर मोदी, घर घर मोदी!

हरिशंकर व्यास

फिर वही जो 2014 से उत्तर भारत का सत्य है। हां, 2014 से उत्तर भारत में हर हर मोदी, घर घर मोदी है सो, 2023 के मध्य प्रदेश, राजस्थान, छतीसगढ़ के मन में मोदी का प्रमाणित होना अनहोनी नहीं है। तय मानें, और मैं लिखता रहा हूं कि लोकसभा चुनाव में भी नरेंद्र मोदी के नाम पर ठप्पा लगेगा। ऐसा क्यों? इसलिए क्योंकि उत्तर भारत में नरेंद्र मोदी जहां हिंदू आस्थावानों में अवतार हैं वही चुनावी खेल के ग्रैंडमास्टर होने से दुविधा व अधर के वोटों को बहकाने और विरोधी वोटों को बंटवाने के रणनीतिकार भी। लेकिन इस हकीकत को कांग्रेस, विपक्ष न मानते हैं और न बूझते हैं या फिर भुलाए रहते हैं। तभी उत्तर भारत के चुनावी रणक्षेत्र में नरेंद्र मोदी मानो फुल स्टॉप।

सोचें, नरेंद्र मोदी ने शिवराज सिंह, वसुंधरा और रमन सिंह को दरकिनार करके तीनों प्रदेशों में क्यों अपने चेहरे पर चुनाव लड़ा? ताकि प्रादेशिक लड़ाई में प्रादेशिक प्लस-माइनस खत्म हो। प्रायोजित मीडिया नैरेटिव में नरेंद्र मोदी के आगे मोदी बनाम गहलोत, मोदी बनाम कमलनाथ, मोदी बनाम भूपेश बघेल का नैरेटिव बने। कमलनाथ, गहलोत, भूपेश बघेल ने जो कुछ कहा या जिन गारंटियों, रेवडि?ों, ओबीसी के नाम पर वोट मांग रहे हैं वे सब नरेंद्र मोदी के आगे फुस्स हो!

ऐसा 2018 के मध्य प्रदेश, राजस्थान, छतीसगढ़ चुनाव में नहीं था। तब विधानसभा चुनाव क्षत्रपों में था। उनमें तब उलटफेर हुई थी

मगर 2023 के चुनावों को नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने चार महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव की रिहर्सल बनाया। उन्होंने नतीजों से और जान लिया है कि लोकसभा चुनाव में उत्तर भारत की जमीन पर क्या तो केमेस्ट्री होगी और क्या गणित।

गणित और माइक्रो सच्चाई जाहिर है। कमलनाथ (या राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड? या अखिलेश, चंद्रशेखर आजाद, मायावती, हनुमान बेनिवाल आदि) को अपने इस अहंकार का दंड मिल गया है कि 'अखिलेश, वखिलेश को छोड़िए'! कोई न माने इस बात को लेकिन नतीजों के आंकड़े बोलते हुए है कि राजस्थान में कांग्रेस सिर्फ तीन प्रतिशत वोटों से पीछे रही और ऐसा होना अन्य पार्टियों, निर्दलियों को मिले 19 प्रतिशत वोटों से था। मतलब मोदी राज के घोर विरोधी दलित नेता चंद्रशेखर आजाद ने अपनी पार्टी को चुनाव में उतार कर, आदिवासियों की आदिवासी पार्टी ने, बसपा ने तथा कांग्रेस के बागी उम्मीदवारों ने, सचिन पायलट के बिदके गुर्जर वोटों ने कांग्रेस की लुटिया डुबाई। लेकिन ऐसे माइक्रो बंदोबस्तों से जीत-हार का फैसला करवा सकना भी तो मोदी-शाह की वह चुनावी मास्टरी है, जिसके आगे कांग्रेस 2014 से पहले गुजरात में नरेंद्र मोदी से बतौर मुख्यमंत्री भी हारती थी और अब भी हारती है।

कांग्रेस और विपक्ष या विपक्ष के 'इंडिया' एलायंस की नंबर एक कमी है कि इन्हें अभी भी समझ नहीं आ रहा है कि मोदी-शाह का जमीनी प्रबंधन क्या होता है? परसेप्शन, सोशल मीडिया के हल्ले और नैरेटिव या निर्दलीय खड़े करके, वोट कटाऊ प्रबंध कर ये कैसे तो अपने को अपरिहार्य, रक्षक, भगवान बनाए हुए हैं और कैसे विरोधी वोट, उसकी ताकत को बिखरा देते हैं!

दरअसल विपक्ष ने, खासकर कांग्रेस, उसके नेता और मुख्यमंत्री हमेशा मोदी-शाह को कमतर आंकते हैं। बार-बार हारने के लगातार अनुभव के बावजूद उत्तर भारत का विपक्ष यह समझ नहीं पा रहा है कि मोदी अपने भक्त हिंदुओं के साथ मध्य के अनिश्चित मतदाताओं के वोट भी कैसे मतदान से पहले अपने पक्ष में करवा लेते हैं? हकीकत है राजस्थान और छतीसगढ़ में आंचलिक स्तर पर हिंदू-मुस्लिम था। अलवर हो या जयपुर या सीमा का पोखरण, भीलवाड़ा या नाथद्वार सभी ओर हिंदू-मुस्लिम पॉकेट बने हुए थे तो मेवाड़ की प्रतिष्ठा के चेहरे पर भी चुनाव था। ऐसे नैरेटिव में छतीसगढ़ के रायपुर में लोग एक मुस्लिम मेयर से कांग्रेस के मुस्लिम पार्टी होने की बातें करते हुए थे तो आदिवासी इलाके में ओबीसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आदिवासी विरोधी का परस्पेशन था या शहरी इलाकों में यह हल्ला था कि वे तो गैर-छतीसगढि?यों के विरोधी।

मेरा मानना है भूपेश बघेल ने अपना ओबीसी, किसानपरस्त आधार कायदे से बनाया। लेकिन उन्हें ध्यान नहीं रहा कि बतौर ओबीसी वे नरेंद्र मोदी के ओबीसी होने के परसेप्शन से बड़े अपने ओबीसी होने का हल्ला लोगों में नहीं पैठा सकते हैं। तभी मेरा यह कहा नोट रखें कि बिहार में नीतीश कुमार, लालू-तेजस्वी का लोकसभा चुनावों में जातीय जनगणना तथा आरक्षण का दांव बुरी तरह फ्लॉप होगा। और नीतीश के मुद्दे में कांग्रेस और राहुल गांधी उत्तर भारत में और दम तोड़ेगे।

मैंने कई दफा लिखा है कि ब्राह्मण-बनिया-राजपूत याकि उत्तर भारत की फॉरवर्ड जातियां भाजपा-संघ परिवार और नरेंद्र मोदी की हवा-आभा के नंबर एक संवाहक-प्रचारक हैं। इसलिए उत्तर भारत में कांग्रेस जब तक फॉरवर्ड में सेंध नहीं लगाएगी, उसका भरोसा नहीं पाएगी तब तक घर-घर की यह चिंता, यह नैरेटिव खत्म नहीं होगा कि मोदी, योगी हैं तभी मुसलमानों से रक्षा है। इस मामले में इस चुनाव में रायपुर का अनुभव मेरे लिए बहुत विचारणीय रहा। सबसे मैंने सुना कि फलां मुस्लिम मेयर को देखो, इसने क्या गदर मचाई है। उसके मुख्यमंत्री के खास बने होने, ज्यादती, मनमानी, वसूली का इतना हल्ला सुना कि लगा मानो पूरा छतीसगढ़ त्रस्त हो। जाहिर है राजधानी शहर के ब्राह्मण-बनियों द्वारा एक तरफ चुपचाप धारणाएं बनवाना वहीं दूसरी और कथावाचकों, पंडितों और पुजारियों से धर्म रक्षा की स्वयंस्फूर्त भावनाएं। कहीं सनातन को खतरा तो कहीं ओबीसी की दादागिरी की चिंता। याद करें मध्य प्रदेश की रिकॉर्ड जीत के पीछे के साल-डेढ़ सालों पर। कथावाचकों, बाबाओं व साधु-संतों से चुनावी जमीन क्या पकी हुई नहीं थी? मध्य प्रदेश के मन में मोदी के आने से पहले क्या बागेश्वरधाम के प्रमुख, कथावाचकों और बाबा लोग मध्य प्रदेश का मन नहीं बनाए हुए थे? मोदी-शाह की क्या इसमें प्लानिंग नहीं रही होगी? कमलनाथ ने इसे कुछ समझा लेकिन यह नहीं माना कि उन्हें नरेंद्र मोदी से मैदान से मुकाबला करना है! कांग्रेस को यह बात तब भी समझनी थी जब चुनाव घोषणा से पहले ही भाजपा ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। कांग्रेस की मजबूत सीटों पर सांसदों को चुनाव लड़ाने के ऐलान से ही कमलनाथ, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, एआईसीसी को बूझना था कि इसका अर्थ तो मोदी-शाह पूरा दम लगाने वाले हैं। मगर कमलनाथ-दिग्विजय सिंह इस विश्वास में थे कि उन्होंने सर्वेयर टीमों से ठोक-बजा कर उम्मीदवार चुने हैं। शिवराज सिंह के खिलाफ माहौल है, लोग बदलाव चाहते हैं। हम ज्यादा रेवडियों का घोषणापत्र बनाएंगे तो चुनाव जीत जाएंगे और पहली लिस्ट से प्रदेश भाजपा में कंफ्यूजन बना है तो इससे भी कांग्रेस को फायदा!

जाहिर है कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों ने और पार्टी ने रूटिन में, एक ही अंदाज में चुनाव लड़ा। भाजपा की नकल करते हुए, कर्नाटक से प्रेरित हो कर इन्होंने चुनाव प्रबंधन और सर्वे की प्राइवेट कंपनियों को हायर किया। ब्लॉक, जिला, प्रदेश संगठन की बजाय इन सर्वे रिपोर्टों से अपने उम्मीदवार तय किए या कैंपेन बनवाया। मतलब कांग्रेस में कोई यह अंतर नहीं कर पाया कि मोदी-शाह टीम आर-पार की लड़ाई बना रही है तो पहले तो विपक्ष की अन्य पार्टियों को साथ ले कर मोर्चा बनाएं। नैरेटिव को, कैंपेन थीम को रेवडि?ों की जगह उन राष्ट्रीय-आर्थिक मुद्दों पर ले जाएं जिनसे मोदी सरकार घिरती है। मोदी-शाह की प्रचार में कॉरपेट बमबारी होगी तो उस पर हमारा क्या जवाब होगा? उनका बूथ स्तर पर प्रबंधन जबरदस्त होगा तो हमारा ब्लॉक-बूथ संगठन है या नहीं?

कोई न माने इस बात को लेकिन सत्य है भाजपा ने केंद्रीय संगठन, मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा जबकि कांग्रेस ने चुनाव न तो एआईसीसी लेवल पर लड़ा और न उसकी प्रदेश या जिला कमेटियों ने लड़ा। राजस्थान और छतीसगढ़ में खुद कांग्रेस, संभवतया मुख्यमंत्रियों को भी यह मालूम था कि उनके मंत्री अपने-अपने इलाकों में अपनी मनमानी से न केवल लोगों में नाराजगी बनाए हुए हैं, बल्कि जिला कांग्रेस के बाकी नेता-कार्यकर्ता भी इनके खिलाफ गुस्से में हैं। इसलिए गहलोत-बघेल और एआईसीसी को मंत्रियों के टिकट काटने थे लेकिन इसलिए नहीं काटे क्योंकि पैसे इन्होंने कमाए हुए हैं तो ये खर्च में, लडने में समर्थ थे इसलिए इन्हीं को टिकट। और दोनों राज्यों में कांग्रेस के कथित दिग्गज उम्मीदवार भी कांग्रेस के ही लोगों के भितरघात के मारे थे। उस नाते छतीसगढ़ में टीएस सिहंदेव का हारना या सचिन पायलट के लोगों का भी हारना कांग्रेसियों के लिए बड़ा सबक होना चाहिए।

ध्यान रहे तेलंगाना का मामला अलग है। इसलिए क्योंकि उत्तर भारत और खासकर गोबर पट्टी बनाम विन्ध्य पार की राजनीति की सियासी तासीर अलग-अलग है। आजाद भारत के इतिहास में नेहरू, इंदिरा गांधी से लेकर नरेंद्र मोदी के राज तक में गोबर पट्टी बनाम दक्षिण भारत के चुनावी नतीजों में भिन्नता रही है। तभी तमाम कोशिशों के बावजूद मोदी-शाह को लेकर दक्षिण में वह आस्था नहीं है जो उत्तर भारत में स्थापित है।

सवाल है मोदी-शाह की इस विधानसभा रिहर्सल से विपक्ष और खासकर राहुल, अखिलेश, नीतीश कुमार को क्या लोकसभा चुनाव की तैयारियों में कुछ समझ आएगा? कांग्रेस की दुर्दशा से अखिलेश, नीतीश, केजरीवाल, चंद्रशेखर आजाद, मायावती का अहंकार क्या बढ़ेगा या ये समझेंगे कि बिना एकजुटता के लोकसभा चुनाव में सभी का सूपड़ा साफ गारंटीशुदा है। अहम सवाल यह भी है कि खड?, राहुल, प्रियंका से लेकर एआईसीसी के तमाम कथित प्रबंधक या कन्हैया जैसे सलाहकार पिछड़ों की राजनीति, भारत यात्रा से भारत क्रांति के फलसफों को छोड़ कर जमीनी हकीकत को समझेंगे भी या नहीं?

सू- दोकू क्र.010

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.09 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

समाप्त होगा यूक्रेन युद्ध?

जेलेन्स्की की पार्टी के एक सांसद ने एक इंटरव्यू में कहा है कि मार्च-अप्रैल 2022 में यूक्रेन और रूस में इस शर्त पर युद्ध खत्म करने पर सहमति बन गई थी कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा। लेकिन तब पश्चिम ने यूक्रेन को रोक दिया।

पश्चिमी मीडिया में छपी खबरों का संकेत है कि अमेरिका और उसके साथी देश अब यूक्रेन युद्ध से पीछा छुड़ाने जुट गए हैं। अमेरिका में यह युद्ध इतना अलोकप्रिय हो चुका है कि रिपब्लिकन पार्टी खुलेआम यूक्रेन को कोई मदद देने का विरोध कर रही है। कांग्रेस में उसने इससे संबंधित प्रस्ताव को पारित होने से रोक रखा है। उधर जर्मनी के जाने-माने अखबार बिल्ड ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अमेरिका और जर्मनी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की दबाव बनाने का फैसला किया है, ताकि वे रूस से शांति समझौता करने के लिए तैयार हो जाएं। दोनों देश अब जेलेन्स्की को समझाने की कोशिश करेंगे कि यूक्रेन जो इलाके गवां दिए हैं, उसके लिए उन्हें वापस पा सकना संभव नहीं है। यूक्रेन के लिए अब सबसे अच्छी स्थिति यह है कि वह यथासंभव बेहतर शर्तों के साथ रूस से बातचीत करे। तमाम रणनीतिक विशेषज्ञ बीते कई महीनों से यह बता रहे हैं कि हर व्यावहारिक रूप में यूक्रेन युद्ध हार चुका है। इस वर्ष मध्य में उसने

जवाबी हमले का जो दांव चला, वह उलटा पड़ा। अब वहां सैनिकों की कमी हो गई है। दूसरी तरफ रूस ने उससे पांच गुना अधिक सैनिक इकट्ठे कर रखे हैं, जबकि उसने अपने मिलिटरी-इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स को फिर से खड़ा कर लिया है। युद्ध अर्थव्यवस्था ने उसकी सकल अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर दिया है। तो पश्चिमी देश अब पीछा छुड़ाने के मूड में दिखते हैं। इजराइल-फिलस्तीन के नए संकट ने उनके हाथ और बांध दिए हैं। जाहिर है, जेलेन्स्की उनके इस रुख से आहत हैं। उनकी सर्वेंट ऑफ पीपुल्स पार्टी के सांसद डेविड अरखमिया ने रूस की समाचार एजेंसी स्पुतनिक को दिए इंटरव्यू में कहा है कि मार्च-अप्रैल 2022 में यूक्रेन और रूस में इस शर्त पर युद्ध खत्म करने पर सहमति बन गई थी कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा। लेकिन तब अमेरिका और ब्रिटेन ने यूक्रेन को रोक दिया। अब ये देश ही हाथ खींच रहे हैं। ये बातें सच हैं, तो यह उन देशों के लिए एक सबक है, जो बड़ी शक्तियों का मोहरा बनने को तैयार हो जाते हैं।(आरएनएस)

वाहन चोर गैंग का खुलासा दो गिरफ्तार, सात बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुपहिया वाहन चोरी करने वाले गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुरायी गयी सात बाइक भी बरामद की गयी है। आरोपियों के अन्य साथी फरार है जिनकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना कलियर पुलिस को सूचना मिली कि वाहन चोरी मामलों के कुछ संदिग्ध क्षेत्र में आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को मेहवड कला गांव से इमली खेड़ा जाने वाले मार्ग के पास दो बाइक सवार संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेरकर दबोचा गया। बाइक के सम्बन्ध में जब कागजात पूछे गये तो वह नहीं दिखा सके साथ ही उन्होने उसे चोरी का बताया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रईस पुत्र वसीम निवासी झोझो वाली मस्जिद कस्बा थाना कलियर हरिद्वार व शमशेर पुत्र शमशाद निवासी ग्राम महमूदपुर थाना कलियर हरिद्वार बताया। बताया कि उक्त बाइक उन्होने कुछ दिन पहले ग्राम पलुनी से चोरी की है। बताया कि कुछ मोटर साइकिलें उन्होंने रिलायंस टावर ग्राम मेहवड़कला के पास छुपा कर रखी हैं। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी छह अन्य बाइक भी बरामद की है। पुलिस अब पकड़े गए आरोपियों के साथ इन वाहन चोरी की वारदातों में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

योजनाओं में छूटे हुए लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया

संवाददाता

चमोली। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत योजनाओं में छूटे हुए लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया।

आज यहां विकसित भारत संकल्प यात्रा का वाहन जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को गांव गांव जाकर जागरुक कर रहा है। इसी कड़ी में देवाल के सवाड, थराली के सुनाऊ मल्ला, नारायणबगड के बैनोली, गैरसेंण के लखेडी, कर्णप्रयाग के मजखोला, पोखरी के मसोली, नन्दानगर के सरपाणी तथा जोशीमठ के लांमबगड में संकल्प यात्रा के माध्यम से केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गयी। शिविर में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और योजनाओं के छूटे हुए लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया साथ ही ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शपथ दिलायी गयी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प लगाकर 110 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गयी। इस दौरान शिविर में 5 आयुष्मान कार्ड बनाए गए और पीएम किसान सम्मान के 6, पीएम आवास के 18 तथा उज्ज्वला के 4 भरे गए। आगामी 10 दिसंबर को थराली के तलवाडी स्टेट व सेरा विजयपुर, नारायणबगड के गडसीरा व भगोती, पोखरी के उत्तरों व गिरसा, कर्णप्रयाग के झिरकोटी, कांडा, भटोली लगा गैरोली, नन्दानगर के फाली व बिजार, गैरसेंण के सुमेरपुर, भलसों व आगर तथा दशोली के खेनुडी व गोलिम में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

विकसित भारत सभी की जिम्मेवारी...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

हो या फिर उद्योगों की सभी को इस विकास का लाभ मिल रहा है। उन्होने कहा कि एलीवेटिड रोड के निर्माण के बाद दिल्ली से दून ढाई घंटे की दूरी पर रह जायेगा। उन्होने कहा कि उत्तराखण्ड में असीम विकास की सम्भावनांए निहित है। नेचर, कल्चर, हेरिटेज, एडवेंचर, योग अध्यात्म यहां क्या कुछ नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होने दो करोड़ महिलाओ को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया है। उन्होने अपने लोकल फार वोकल के कन्सैप्ट पर बात करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में अनेक ऐसे औषधीय और आर्गेनिक उत्पाद है जिनका अगर ठीक से शोधन और पैकेजिंग की जाये तो वह विदेशों तक धूम मचा सकते है। उन्होने उद्यमियों से कहा कि वह अपने उद्योगों में इन उत्पादों और महिला समूहों के साथ समन्वय को लेकर बहुत कुछ कर सकते है। जिससे उन्हे अपने लखपति दीदी कार्यक्रम और संकल्प को पूरा करने में मदद मिल सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कहा जाता था कि पहाड़ की जवानी और पहाड़ का पानी कभी पहाड़ के काम नहीं आता है लेकिन मेरा संकल्प और मेरा विश्वास है कि अब पहाड़ का पानी भी और पहाड़ की जवानी भी दोनो की उत्तराखण्ड के काम आयेगी। राज्य में कृषि और उद्योग दोनो क्षेत्रों में आने वाले समय में अभूतपूर्ण तरक्की होगी। उन्होने कहा कि आप उत्तराखण्ड में बेझिझक निवेश कीजिये और इस विकास यात्रा में सहयोगी बनिये।

ईडी व सीबीआई अधिकारी बनकर ठगे साढे आठ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। ईडी व सीबीआई अधिकारी बनकर मुकदमें में फंसाने का झांसा देकर आठ लाख 35 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार होप टाउन गर्ल्स स्कूल सेलाकुई निवासी दिलप्रीत कौर ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 28 नवम्बर 2023 को सायें करीब 03:04 बजे उसके मोबाईल नम्बर पर एक अज्ञात मोबाईल नम्बर से कॉल प्राप्त हुयी थी, जिसने अपना परिचय देते हुए बताया था कि वह ट्राई से बोल रहा वह और उसको बताया कि उसके द्वारा अपने आधार कार्ड का प्रयोग करते हुए 14 अप्रैल 2023 को महाराष्ट्र से मोबाईल नम्बर लिया गया है। मोबाईल नम्बर से उसके द्वारा फर्जी मैसेज भेजे जा रहे हैं और उसके नाम पर एक बैंक एकाउण्ट खुला है, जिसमें करीब 2 करोड़ रूपये जमा हैं और उसके नाम पर जारी मोबाईल नम्बर व बैंक खाते की कई लोगों से शिकायत प्राप्त हो रही है। इस कारण उनके द्वारा उसके आधार कार्ड पर जारी किये गये सभी मोबाईल नम्बरों को बन्द किया जा रहा हैं। इनके बाद उसी नम्बर पर उसकी बात एक अन्य व्यक्ति से हुयी जिसने अपना नाम संदीप राव बताया और कहा कि वह मुम्बई पुलिस स्टेशन से बोल रहा है उसके द्वारा उसको कहा गया कि उसके खिलाफ उनके थाने में एफआईआर दर्ज है और उसके बैंक खाते के संबंध में ईडी भी जॉच कर रही है। इसके बाद उसको संदीप ने स्काईप एप्प पर बात करने को कहा और उससे स्काईप पर विडियो कॉल कर अपना आई कार्ड और पुलिस थाना दिखाया और अपना विडियो बन्द कर उससे विडियो कॉल पर अकेले बात करने को कहा, उसके बाद उसने उसको कुछ दस्तावेज दिखाये जिस पर उसके खिलाफ ईडी, सुप्रीम कोर्ट व आनलाईन एफआईआर दिखायी गई, जिससे उसको काफी तनाव हो गया। फिर उसको कहा कि उसकों अभी यह बताना होगा कि उसके नाम पर जो बैंक खाता है उसमें पैसा कहॉ से आया है और उसने उससे कहा कि उसको इस बारे में किसी से कोई बात नहीं करनी है क्योंकि यह मामला नैशनल सैक्योरिटी से संबंधित है, उसको उनका सहयोग करना होगा और कल सुबह उसकी बात उनके सीनीयर अधिकारी जो सीबीआई में है से होगी और जिनके द्वारा आपका एरेस्ट वारंट जारी किया गया है।

वह सहयोग नहीं करेंगी तो उसको एरेस्ट करते हुए उसके नाम पर जितने भी बैंक खाते व मोबाईल नम्बर हैं की जाच की जायेगी व उसका पैसा आरबीआई द्वारा फ्रीज किया जायेगा। इसके बाद उसको स्काईप बन्द ना करने की हिदायत देते हुए हर दो घण्टे में कॉल पर अपडेट देने को कहा गया। अगले दिन उसको एक महिला ने अपना परिचय देते हुए अपना नाम नवज्योति बताया और वह सीबीआई मुम्बई से है। उसके द्वारा उसको जानकारी दी गई कि यह केस वो इनवेस्टिगेट कर रहीं है और उसे उसका एरेस्ट वारंट कैन्सिल करने का व केस में आगे क्या करना है का अधिकार प्राप्त है, उसके द्वारा उसको डराते हुए कहा गया कि इस समय उसके पास जितने भी पैसे है उसे वह तुरन्त आरबीआई द्वारा संचालित किये जा रहें पंजाब नैशनल बैंक के खाते में जमा करने को कहा गया ताकि यह मामला निपट सकें और उसका एरेस्ट वारंट कैन्सिल हो जायें। उसके द्वारा इन लोगों को सीबीआई मुम्बई, मुम्बई पुलिस थाने व ट्राई का अधिकारी समझ कर अपने पीएनबी बैंक के खाते से उनके द्वारा दिये गये पीएनबी के खाते में 29 नवम्बर 2023 को आठ लाख पैतिस हजार आठ सौ पैसठ रूपये आरटीजीएस से जमा किये गये। इसके बाद इन लोगों ने उससे उसके डेबिट कार्ड की फोटो मॉगी थी। ये लोग लगातार इस समय तक उसके साथ लगातार बात करते रहे। इस संबंध में उसने अपने परिचित को जानकारी दी तो उसको एहसास हुआ कि साईबर ठगों ने स्वयं को ट्राई सीबीआई व ईडी के अधिकारी बताकर मेरे साथ आठ लाख पैतिस हजार आठ सौ पैसठ रूपये की साईबर ठगी की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लोन दिलाने के नाम पर बैंक अधिकारी बन ठगे एक लाख 30 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। लोन दिलाने के नाम पर बैक अधिकारी बनकर एक लाख तीस हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर विस्थापित कालोनी निवासी दलबीर सिंह ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको फैसबुक के माध्यम से धनी बैंक लोन फाईनेश कम्पनी का विज्ञापन प्राप्त हुआ था जिस पर उसके द्वारा लोन की रिक्वाइमेन रखी गयी। फिर वट्सअप के माध्यम से जिसका उसके द्वारा बातचीत शुरु की गयी। फिर उक्त व्यक्ति ने उससे लोन करवाने के लिए 1500 रुपये की मांग रखी गई जो कि उसके द्वारा गूगल पे के माध्यम से उक्त व्यक्ति के गुगल पे नंम्बर पर डाले गये । फिर 29 नवम्बर 23 को कुल 22376 रुपये डाले गये । उसके बाद फिर उक्त व्यक्ति द्वारा 30 नवम्बर 23 को रुपयों की मांग की गई । जिसमें उसके द्वारा उक्त व्यक्ति के गुगल पे पर कुल 77902 रुपये दिये गये तथा खाता संख्यापर उसके द्वारा 10 हजार रूपये गिरीश कुमार को बैंक के माध्यम से लिये गये तथा 10 हजार रुपये बैंक के माध्यम से विजय प्रकाश के खाते से उक्त व्यक्ति के गुगल पे नम्बर पर डाले गये। जो कि कुल धनराशि लगभग 130,838 रूपये उसके द्वारा उक्त व्यक्ति को डाले गये। जब उसके द्वारा उक्त व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तो उसको जानकारी हुई कि उसके साथ उक्त व्यक्ति जो कि अपने आप को धनी बैंक का मैनेजर बताकर रहा था उसके द्वारा धोखाधड़ी की गई।

एक्टिवा चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला निवासी सुशोभित उलेरिया ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह डीएल रोड पर मठ मंदिर के पास स्थित डेरी में गया था। उसने अपनी एक्टिवा डेरी के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वहवापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

मारपीट कर सामान उठाकर ले जाने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर सामान उठाकर ले जाने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मसूरी बांसागाड निवासी शालीन बसंल ने मसूरी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह व हरि जिन्दल क्यारकुली भट्टा, परगना केन्द्रीय दून जिला स्थित सम्पति के स्वामी हैं, जो उन्होंने पंजीकृत विक्रयपत्र 14 जून 2023 के द्वारा सुन्दर सिंह से क्रय की है। उक्त भूमि सुन्दर सिंह की पुश्तैनी भूमि थी। उक्त भूमि उदासीन आश्रम/कृष्णा आश्रम के पास स्थित है। उक्त भूमि उसने किशोर सिंह निवासी बांसागाड़ देहरादून ठेकेदार को देख-रेख व रख-रखाव हेतु दे रखी है। उसकी भूमि में आवासीय कमरा बना हुआ है, जिसमें वह व हरि किशन जिन्दल ने बिजली का कनैक्शन भी लिया हुआ है और उक्त भूमि पर मौके पर रख-रखाव व सफाई आदि का कार्य चल रहा है, जिस हेतु भूमि पर 7-8 मजदूर भी कार्य कर रहे हैं।

16 अगस्त 2023 को शाम लगभग 6 बजे तीन-चार व्यक्ति गाड़ी पर आये और उसकी भूमि में जबरन घुसकर वहां पर मौजूद एक मजदूर को धमकाने लगे और धक्का-मुक्की करने लगे। उक्त मजदूर को बन्धक बनाकर कमरे के अन्दर घुस कर अन्दर रखे सामान बाइब्रेटर, औजार को ले जाने लगे और सिमेंट के कट्टे फाड़कर फेंक दिये। मजदूर के मना करने पर उन्होंने मजदूर के साथ मारपीट की व्यक्ति ने कहा की अपने ठेकेदार का फोन नम्बर दो। मजदूर से ठेकेदार का नम्बर लेकर फोन कर ठेकेदार से कहा कि वह चेतन तोमर बोल रहा हैं। वह मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। ठेकेदार को ध मकाने लगा। फिर ये लोग कमरे में रखा सामान बाइब्रेटर उठा कर ले गये और वह जाते हुये जान से मारने की धमकी देकर कह गये कि वह दुबारा आयेगा और इस भूमि पर कब्जा कर लेंगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द

नई दिल्ली। कैश फॉर क्वेरी मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोईत्रा पर बड़ा एक्शन हुआ है। एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को आधे घंटे की चर्चा के बाद लोकसभा के सदस्यों ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके बाद टीएमसी सांसद महुआ मोईत्रा को संसद से निष्कासित कर दिया गया है। कैश फॉर क्वेरी मामले में शुक्रवार को एथिक्स कमेटी ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा में सौंपी। इस पर चर्चा के दौरान सरकार और विपक्ष के सांसदों में जमकर बहस हुई। कांग्रेस ने कहा कि

महुआ मोईत्रा घ्के साथ अन्याय हो रहा है। इस रिपोर्ट पर कम से कम दो से तीन दिन तक चर्चा की जानी चाहिए। टीएमसी के अन्य सांसदों ने भी इस दौरान महुआ मोईत्रा को सदन में बोलने की इजाजत मांगी, लेकिन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संसद की परंपराओं को मानते हुए महुआ मोईत्रा को बोलने की इजाजत नहीं दी। चर्चा के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को सांसदों ने ध्वनिमत से पास कर दिया। प्रस्ताव पास होने के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को देखते हुए यह बात सामने आई है कि सांसद महुआ मोईत्रा का आचरण अनैतिक है तथा संसद की मर्यादाओं के विपरित है। इसलिए उन्हें लोकसभा का सदस्य बना नहीं रहना चाहिए। इसलिए उन्हें संसद से निष्कासित किया जाता है।

गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। भारत के कई राज्यों में शुक्रवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। कर्नाटक के विजयपुरा, गुजरात के कच्छ और तनिलनाडु के चेंगलपट्टू में सुबह सुबह धरती डोली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। एनसीएस ने बताया कि कर्नाटक के विजयपुरा में सुबह 6.52 बजे 3.1 तीव्रता का भूकंप आया। उत्तरी तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में शुक्रवार सुबह 7.39 बजे भूकंप के

झटके महसूस किए गए, जो जमीन से 10 किमी की गहराई में आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 रही। वहीं गुजरात के कच्छ जिले में सुबह 9 बजे रिक्टर स्केल पर 3.9 तीव्रता का भूकंप आया। कच्छ के अलावा गुजरात के राजकोट में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.9 और जमीन के अंदर गहराई 20 किलोमीटर थी। मेघालय की राजधानी शिलांग में आज सुबह 8 बजकर 46 मिनट पर 3.8 की तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। कल असम के गुवाहाटी में सुबह 5.42 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। कल रात मेक्सिको सिटी में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.8 मापी गई।

रेवंत रेड्डी ने सीएम बनते ही दिव्यांग महिला को नौकरी देकर वादा निभाया

नई दिल्ली। तेलंगाना के सीएम का पदभार संभालते ही रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष (टीपीसीसी) रहते किया हुआ अपना वादा पूरा किया है। रेड्डी ने अक्टूबर में एक दिव्यांग महिला से वादा किया था कि कांग्रेस के सत्ता में आते ही उसे नौकरी दी जाएगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही रेवंत रेड्डी ने अपना वादा पूरा कर सभी का दिल जीत लिया है। 17 अक्टूबर को एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी कि टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने नामपल्ली की एक दिव्यांग (बौनी) लड़की रजनी को कांग्रेस के सत्ता में आने पर पहली नौकरी देने का वादा किया है। पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी

कर चुकीं रजनी ने रेवंत को अपना दुख बताते हुए कहा कि उन्हें प्राइवेट कंपनियों में नौकरी भी नहीं मिल रही है। जिसके बाद खुद रेवंत रेड्डी ने रजनी के नाम से कांग्रेस का गारंटी कार्ड भरा था। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही दो फाइलों पर हस्ताक्षर किए। पहली फाइल छह चुनावी गारंटी को लागू करने के लिए और दूसरी फाइल दिव्यांग रजनी को नौकरी प्रदान करने के लिए। कांग्रेस ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अपने चुनावी घोषणापत्र में छह गारंटी का वादा किया था। इन छह गारंटियों को महालक्ष्मी, रयथु भरोसा, गृह ज्योति, इंदिरम्मा इंदलु, युवा विकासम और च्वेयुथाष के रूप में वर्गीकृत किया गया था। तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव 30 नवंबर को हुए थे।

उत्तराखंड शानदार होस्टः धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आए हुए निवेशकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें सुरक्षित निवेश का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राज्य में जिस तरह से तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो रहा है और निवेश के लिए जरूरी कनेक्टिविटी सुविधाएं बढ़ रही है सिर्फ वही नहीं राज्य की बेहतर कानून व्यवस्था और अच्छा स्वास्थ्य तथा अच्छी आबो हवा सब कुछ हमारे पास सहज उपलब्ध है। जो आपके सुरक्षित निवेश के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आपकी किसी भी तरह की समस्या के समाधान के लिए हर वक्त तत्पर है और आपके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि आप राज्य की इस विकास यात्रा में सहयोगी बने जिससे राज्य का विकास तेजी से आगे बढ़े और आपका व्यवसाय भी तरक्की की और अग्रसर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते भारत का यह नया उत्तराखंड है जो तेजी से बदल रहा है। बदलाव के इस दौर में आप भी हमारे सहभागी और सहयोगी बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देश का सबसे बेस्ट होस्ट है। सवा करोड़ की आबादी वाला हमारा प्रदेश हर साल 7

करोड़ आगुंतुको का प्रबंधन कार्य बेहतरीन से करता है। हर साल राज्य में करोड़ों की संख्या में पर्यटक आते हैं राज्य में अब सड़क विकास और हवाई यात्रा

❑बेहतर सुविधाएं ही नहीं स्वास्थ्य व हवा-पानी भी बेहतर
❑देव भूमि से बेहतर कोई उद्योग भूमि नहीं: रामदेव

सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम राज्य को आईटी का हब बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमने उद्यमियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के अलावा उद्योग मित्रों की नियुक्तियां की है। उन्होंने कहा की नई डेस्टीनेशन उत्तराखंड में आपका स्वागत करता है आइए और दिल खोलकर निसंकोच निवेश कीजिए हम आपके विश्वास पर खरा उतरने का विश्वास दिलाते हैं।।

स्वामी रामदेव ने भी समिट को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड देवभूमि ही नहीं उद्योग भूमि भी है हम यहां 30 साल से काम कर रहे हैं फकीरी से अमीरी तक का सफर हमने उत्तराखंड में ही तय किया है। उन्होंने उद्योगपतियों को आह्वान किया कि जो उत्तराखंड में आपको मिलेगा वह और कहीं नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहाड़ में विकास की अपरिमित संभावनाएं हैं। रामदेव ने समिट में 10 हजार लोगों को रोजगार देने का भी वायदा किया। उन्होंने उत्तराखंड में निवेश को सबसे सुरक्षित बताते हुए कहा कि आपको उत्तराखंड से बेहतर निवेश का अवसर अन्य कहीं भी नहीं मिल सकता है।

पुण्यतिथि पर सीडीएस जनरल विपिन रावत को सीएम धामी ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रथम सीडीएस जनरल विपिन रावत की द्वितीय पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत के प्रथम सीडीएस जनरल विपिन रावत की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर देहरादून के कनक चौक पहुंच कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देश के प्रथम रक्षा प्रमुख, उत्तराखंड के वीर सपूत जनरल बिपिन रावत देश का गौरव थे। सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने चार दशकों तक मातृभूमि की रक्षा मे निस्वार्थ सेवा की। उन्हें सदैव असाधारण वीरता तथा साहस के लिए याद किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपस्थित भूतपूर्व सैनिको से मुलाकात की तथा उनसे बातचीत की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी भी उपस्थित थे।

महिला से कुण्डल लूटने वाले मामा-भांजा गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दस दिन पहले महिला से कुण्डल लूटने के मामले में मामा भांजे को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुण्डल व घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल बरामद कर ली। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार लाडपुर निवासी रेखा गोयल बाजार से सब्जी खरीदकर घर वापस जा रही थी जब वह लाडपुर रोड पर थी तभी मोटरसाईकिल सवार दो लोगों ने उसके कुण्डल लूट लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खांगाले तो एक संदिग्ध मोटरसाईकिल पुलिस को दिखायी दी। जिसके बारे में गहनता से जानकारी करने पर पता चला कि सुजुकी कम्पनी की जिक्सर मॉडल है। जिसके बारे में पुलिस ने गहना से जांच की तो पता चला कि रायपुर रोड के शोरूम से ऐसी ही मोटरसाईकिल विष्णु पैलेस लाईब्रेरी मसूरी के शिवांग गुप्ता ने खरीदी थी। पुलिस ने जब शिवांग से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने एक माह पूर्व उसने वह मोटरसाईकिल नगीना रोड निवासी स्माईल अल्बीा पुत्र समीम को बेच दी थी। शिवांग के पास से स्माईल की फोटो लेकर पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा लेकिन वह वहां से फरार मिला। पुलिस ने आज मोटरसाईकिल सवार दोनों लोगों को रिंग रोड से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में स्माईल ने बताया कि उसके साथ उसका सगा मामा अकरम पुत्र मौहब्बत अली निवासी नजीबाबाद है और दोनों ने मिलकर लूट की थी। स्माईल ने बताया कि उसका मामा पूर्व में पटेलनगर क्षेत्र से देह व्यापार के मामले में जेल गया था। जेल से आने के बाद उन्होंने लूट करने की योजना बनायी थी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।